नसीरपुर अनंत सिंह गांव में संतुलित उर्वरक उपयोग पर किसान जागरूकता गोष्ठी आयोजित

संतुलित उर्वरक प्रयोग से बढ़ेगी उपज और घटेगी लागत: डॉ. शैलेन्द्र सिंह

सतत कृषि एवं मृदा स्वास्थ्य पर केवीके कटिया का विशेष अभियान

गांव-गांव पहुंच रहा संतुलित उर्वरक उपयोग अभियान

सीतापुर। भारत सरकार द्वारा संचालित “संतुलित उर्वरक उपयोग अभियान” के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, कटिया, सीतापुर द्वारा जनपद के विभिन्न गांवों में किसानों को जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बिसवां विकास खंड के नसीरपुर अनंत सिंह गांव में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. शैलेन्द्र सिंह द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें 47 कृषकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में किसानों को संतुलित उर्वरक प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा रासायनिक उर्वरकों के वैज्ञानिक एवं संतुलित उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि लगातार असंतुलित उर्वरक प्रयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है, जिससे उत्पादन लागत बढ़ने के साथ-साथ मिट्टी की गुणवत्ता भी कम हो रही है। उन्होंने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी।
उन्होंने बताया कि संतुलित उर्वरक उपयोग से फसलों की गुणवत्ता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है तथा खेती अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनती है।

किसानों को जैविक एवं नैनो उर्वरकों के उपयोग के प्रति भी जागरूक किया गया तथा उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई।
गोष्ठी के दौरान किसानों ने कृषि से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को साझा किया, जिनका वैज्ञानिक तरीके से समाधान किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम के प्रगतिशील कृषकों सहित कुल 47 किसानों की सहभागिता रही।

संतुलित उर्वरक उपयोग
विशेष अभियान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

संतुलित उर्वरक उपयोग

संतुलित उर्वरक उपयोग
विशेष अभियान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम